Haryana Vidhan Sabha

Debates

22nd March, 1967

Vol. I, No. 3

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Wednesday, the 22nd March, 1967.

Starred Questions and Answer	..	(3)1
Call Attention Notice	..	(3)2
Motion Under Rule 30	..	(3)3
Resignation of the Ministry and Adjournment of the House	..	(3)3

ERRATA

TO

HARYANA VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 3, DATED THE 22ND MARCH, 1967

Read	For	Page	Line
दिया गया	दिया गया	(3)1	Last
Be	b	(3)3	18
Voices	Vo ces	(3)3	33

HARYANA VIDHAN SABHA

Wednesday, the 22nd March, 1967

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, Vidhan Bhavan, Chandigarh-1, at 9.30 A.M. of the Clock. Mr. Speaker (Rao Birender Singh) in the Chair.

STARRED QUESTION AND ANSWER

Harijan Kalyan Fund

4. Shri Daya Krishan : Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) the total amount which the Haryana Government has received out of the Harijan Kalyan Fund as its share from the erstwhile Punjab Government ;

(b) the minner and the period within which the Government propose to spend the said amount?

Shri Ransingh : The requisite information is given below:-

(a) The amount to the credit of the Fund is estimated to be Rs. 162.45 lakhs. According to the recommendations of the Assets and Liabilities Committee, 1966, the balance in the Fund is to be divided amongst the successor States in population ratio. Which in the case of Haryana, is 37.38 percent. The share of the Haryana Government thus works out to Rs 60 72 lakhs as on the 1st November, 1965. The amount at the credit of the Fund for ms part of Cash Balances of the State inherited from composite

Punjab in the population ratio according to the Punjab Re-organisation Ac, 1966. It had no seprate entity and that being so, Haryana received no amount of the Harijan Kalyan Fund as its share from the Punjab Government.

(b) The matter is under the consideration of the Government.

श्री दया कृष्ण : क्या मिनिस्टर साहिब बताने की कृपा, करेंगे कि इस फण्ड में पहले कितना रूपया इक्ट्ठा हुआ था ?

मंत्री : इस फण्ड में पहले 386 लाख रूपया इकट्ठा हुआ था।

श्री दया कृष्ण : क्या मंत्री महोदय बतांएगे कि बाकी का रूपया किधर खर्च किया गया ळें

वित मंत्री : 1962–63 में 386 लाख रूपया था। इस में से 2 करोड़ से ऊपर हरिजनों को इवैक्वी लैण्ड खरीद करने के लिए कर्ज दिया गया था।

श्री दया कृष्ण : क्या मंत्री महोदय बतांएगे कि जब लोन्ज दिए गए तो उस के लिए किसी फाईनानषल कमेटी की या हाउस की मंजूरी ली गई थी ?

वित मंत्री : उस के लिए मंजूरी की जरूरत नहीं होती।

श्री दया कृष्ण : जो जमीन ली गई थी वह क्या हरिजनों की तक्सीम कर दी गई थी ?

वित मंत्री : जमीन तो हरिजनों ने ली थी और उस के लिए हम ने लोन एडवांस किया था।

CALL ATTENTION NOTICE

श्री भगवान देव प्रभाकर : मैं हरियाणा सरकार का ध्यान भिवानी नगर तथा इस तहसील के राजगढ़, धीरना, ढाणा लाडनपुर, हालुवास, सै, पूर्णपुरा, निर्माण आदि कई ग्रामों में पेय जल की अनुपलब्धि की और आकर्षित करना चाहता हूं। इस नगर में वाटर वर्क्स के सरोवर कई दिनों से रिक्त है, जिस से लोगो को अत्याधिक कठिनाई का अनुभव करना पड़ रहा हैं। उन्हे पुराने कुओं का दूषित एवं कीटाणुयुक्त जल पीना पड़ता है, जो मानवोपभोग के लिए सर्वथा अनुपयुक्त है। अधिकांष कुओं का जल नमकीन है, तथा वह भी कुछ दिनों में सूख जाएगा, जिससे लोगों को पीने का पानी बिल्कुल उपलब्ध नहीं होगा।

प्ता लगा है कि सरकार ने नगरपालिका, भिवानी को, सूचित किया है कि आगामी 51 दिनों तक तालाबों में पानी सप्लाई नहीं किया जा सकेगा। इस अवस्था में स्थिति और विकट व भयावह रूप धारण कर लेगी और बहुत से लोगों को जलाभाव के कारण नगर छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

यही स्थिति प्रायः गावों मैं है। वहां जौहड़ और कुए सूख चुके हैं। यहां तक कि पशुओं के लिए भी पीने का पानी प्राप्त नहीं है।

अतः सरकार से साग्रह प्रार्थना है कि वह भिवानी नगर और उपर्युक्त गावों में पीने का पानी सप्लाई करने के लिए अविलम्ब पग उठाए।

Mr Speaker : Call Attention Notice by Shri Bhagwan Dev Prabhakar is admitted. The Minister corcerred may please make a statement.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री : प्रभाकर जी कल मुझसे मिले थे और मैंने उनकी तसल्ली करवाई थी। कल ही हमने आडर्ज जारी करवा दिए है कि हरियाणे के तमाम तालाबों मे जहां पानी न हो वहां पानी दिया जाए।

ADJOURNMENT OF THE HOUSE

Shri Mool Chand Jain: On a point of order, Sir, I would like to know whether the present Government his resigned ? If so, whether they have been asked to work on interim basis?

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to let the hon. Minister finish his statement first.

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री : इसी तरह से भिवानी का मामला भी इस में शामिल है। इसलिए मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि उनको आयंदा पानी की तकलीफ नहीं होगी।

श्री भगवान देव प्रभाकर : यह काम कब तक हो जाएगा ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री : यह तो शायद आपने ही करना हो।

MOTION UNDER RULE 30

Health Minister (Shri Dev Raj Anand) : Sir, I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thrusday, the 23rd March, 1967.

Mr. Speaker : Motion moved-

That Rule 30 of the Rule of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspend and Government business be transacted on Thursday, the 23rd March, 1967.

Mr. Speaker : Question is-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspend

and Government business be transacted on Thursday, the 23rd March, 1967.

The Motion was carried.

RESIGNATION OF THE MINISTRY AND ADJOURNMENT OF THE HOUSE

Health Minister (Shri Dev Raj Anand) : Sir, I beg to inform the House that our Chief Minister, the Leader of the House, has gone to His Excellency the Governor to tencer his resignation. I would, therefore, request that the House be adjourned till 2 p.m tomorrow. (Thumping)

Mr. Speaker : It is the pleasure of the House that the House be adjourned till 2 p.m tomorrow.

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The House stands adjourned till 2 p.m. tomorrow, the 23rd March, 1967.

(The House then adjourned till 2 p.m. on Thrusday, the 23rd March, 1967)